

पीएम ने एक लाख परिवारों को टाई-टाई लाख दिए

पछे घर बनवाने के लिए इस्तेमाल कर सकेंगे, कहा, कोई कल्याणकारी योजनाओं से वंचित नहीं होगा

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार (15 जनवरी) को पीएम जनमन योजना के लाभार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उत्तराखण्ड की बोक्सा, छत्तीसगढ़ की कामर-कोरावा, मध्य प्रदेश की बैंग-भील और राजस्थान की सरायिंग जनजाति के लागे संवाद से जुड़े। इस दौरान अधिकारी जनजातीय समूह के एक लाख लाभार्थी को पक्के घरों के लिए 540 करोड़ रुपये फंड की पहली किस भी जारी की गई। यानी सरकार ने एक-एक घर के लिए दूर लाख रुपये ट्रांसफर किए। संवाद के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हमारी कोशिश है कि कोई भी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे। यानी केवल देश तभी सहित हो सकता है जब सरकारी योजनाओं का लाभ सभी तक पहुंचे। विषेष विडो जनजातीय लोगों के विकास और उत्थान के लिए केंद्र सरकार ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस पर पीएम जनमन योजना शुरू की थी। इसका मुख्य लक्ष्य विशेष रूप से पहचाना, सोलर पावर, इंटरेनेट तथा

विकास करना है।

9 केन्द्रीय मंत्रालय 11 सुविधाओं पर करेंगे काम

केंद्र सरकार 3 साल में खर्च करेगी 24104 करोड़

15 नवंबर को प्रधानमंत्री ने योजना की शुरूआत की थी। इनमें पक्के घर का प्रवासन, पक्की सड़क, नल से जल-समुदाय आधारित पेयजल, छात्रावासों का निर्माण, मोबाइल मेंडिकल यूनिट, अंगनबाड़ी केंद्रों के जरिए पोषण, बहुउद्देशीय केंद्रों का निर्माण, घरों में बिजली को लिए वाली पहली किस्त भी

मोबाइल सर्विस की उपलब्धता और आजीविका संवर्धन के लिए स्किल डेवलपमेंट शामिल है।

श्रीराम की कथा माता शबरी के बिना संभव नहीं

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले राम मोदी के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा है कि दिनों उन्होंने भी 11 दिन ब्रत-अनुरूप का एक संकल्प हुआ है।

इस दौरान लाभार्थी को एक लाभ देता है और स्मरण करते हुए उन्होंने कहा, 'जब आप प्रभु राम का प्राप्ति करेंगे तो माता शबरी की याद आना बहुत स्वाधारिक है।' श्रीराम की कथा माता शबरी के बिना संभव ही नहीं है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अयोध्या से जब राम निकले थे तब तो वह राजकुमार थे। लेकिन राजकुमार राम, मर्यादा पुरुषोत्तम के रूप में हमारे सामने आए तो वहीं माता शबरी हो, केवल हो, निषाद राज हो... न जाने कौन-कौन से लोग... जिनके सामने राजकुमार राम को प्रभु राम बना दिया।

शामिल है। इसके अलावा इन जनजातियों की बसितियों में 8000

किमी सड़कों में से 1207 किमी के घरों के लिए एक लाख लाभार्थियों को मिलने वाली पहली किस्त भी

से जोड़ने और 916 आंगनबाड़ी केंद्रों को मंजूरी दी है, जिनमें से 816 के इस मिलने के आधिकार तक चल चल गए।

जनजातियों के मालों के बाल जिनमाने देने के लिए वाले घरों को लाभ मिलता है।

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली

9 साल में 24.8 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले

नीति आयोग की रिपोर्ट, यूपी में सबसे ज्यादा 5.94 करोड़ लोगों को फायदा, टॉप 4 में बिहार-मध्यप्रदेश भी



केंद्र सरकार की 5 योजनाएं, जिनसे पहुंचा लाभ...

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरूआत 1 मई 2016 को हुई थी। अब तक 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को इसका लाभ मिल चुका है। इस योजना के तहत आधिकारिक रूप से कमज़ोर परिवारों को मुफ्त गैज़ योजना दी जाती है। साथ ही कैनेशन लेने पर 1600 रुपये की आधिकारिक सहायता भी दी जाती है ताकि वे गैज़ कंपनी से जुड़ी अन्य जारी चीज़ों भी खरीद सकें।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना को 2020 में शुरू किया गया था। अब इसे 2029 तक बढ़ा दिया गया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत देश की करीब 81.35 करोड़ लोगों को मुफ्त आजाज दिया जाता है। इस योजना में परिवार के हाथ सदस्यों के 5 लोगों गैंग या चावल हर महीने मिलता है साथ ही एक लोगाम साथूत बना दिया जाता है।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

केंद्र सरकार की प्रमुख स्वास्थ्य योजना आजाना आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को तहत 30 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इसके जरिए भारत के नागरिक अपना 5 लाख तक का इलाज फ्री में करा सकते हैं। इस योजना की शुरूआत 25 सितंबर, 2018 को हुई थी।

जल जीवन मिशन

इस योजना की शुरूआत 15 अगस्त 2019 को हुई थी। 2024 तक देश के सभी गांवों में हर घर तक नल से जल पहुंचने का लक्ष्य है। 2024 तक 14 करोड़ घरों तक कैनेशन पहुंचाने का लक्ष्य है। कुल 19 करोड़ घरों तक यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

जन एक्सप्रेस/एजेंसी। नई दिल्ली



फ्रांस में विदेशी इमामों की एंट्री पर बैन

पहले से मौजूद इस्लामी धर्मगुरुओं को उनके देश भेजा जाएगा, नया कानून कटृता के खिलाफ सख्त

4 साल बाद कामयादी

● फ्रांस ने फरवरी 2020 में पहली बार इस कानून को लाने के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था— हमें कटृता को खत्म करना होगा। महिलाओं को बराबरी का दर्जा दिया जाए। उन्हें दबाया नहीं जा सकता। यही दूरें देश की सोच और परंपरा है।

● फ्रांस में 1977 एक नियम बनाया गया था। इसके तहत गार मंजूरी दी गई थी कि वो अपने इमाम फ्रांस भेज सकते हैं। इनको मजहब और इस्लामिक कल्चर से परिवर्तित करने की पोटटी थी। हालांकि, नई कमटी पर अभी रोपा सापालिया निशान लगने लगे हैं।

● यूरोपियन ऑफ न्यू हैम्शायर में पैलिटिकल साइंस की फोएसर परिवाराओं और डिविनियुल में हैंडिकॉप ने एंट्री ग्रेड लेवल पर बैन लगाया है। कुछ लोग ऐसे ही जो ये मानते हैं कि वे एंट्री ग्रेड लेवल पर बैन हो रहे हैं कि खुद फ्रांस को एक अंतर्राष्ट्रीय वैदिक वैदिकों को चुनौती दी रही है।

● फ्रांस में हालिया वर्क एंटरेंटों से कानूनी और गैर कानूनी तौर पर आए लोग शमिल रहे हैं। 2015 में यहां आतंकी हमले में 130 लोग मारे गए थे और 500 घायल हुए थे। एक अनुमान के मुस्लिम-आतंकी का शिगद्दन बूझ्डूर में फ्रेंच ग्रैंड रेस लोगों को सही रह दिया जाएगा।

● फ्रांस में अब दूसरे देशों के इमामों को लाभ देने की विरोधी विदेशी इमामों की एंट्री पर बैन लगा रहा है।

● फ्रांस में अब दूसरे देशों के इमामों को लाभ देने की विरोधी विदेशी इमामों की एंट्री पर बैन लगा रहा है।

● फ्रांस में अब दूसरे देशों के इमामों को लाभ देने की विरोधी विदेशी इमामों की एंट्री पर बैन लगा रहा है।

● फ्रांस में अब दूसरे देशों के इमामों को लाभ देने की विरोधी विदेशी इमामों की एंट्री पर बैन लगा रहा है।

● फ्रांस में अब दूसरे देशों के इमामों को लाभ देने की विरोधी विदेशी इमामों की एंट्री पर बैन लगा रहा है।

● फ्रांस में अब दूसरे देशों के इमामों को लाभ देने की विरोधी विदेशी इमामों की एंट्री पर बैन लगा रहा है।

● फ्रांस में अब दूसरे देशों के इमामों को लाभ देने की विरोधी विदेशी इमामों की एंट्री पर बैन लगा रहा है।

● फ्रांस में अब दूसरे देशों के इमामों को लाभ देने की विरोधी विदेशी इमामों की एंट्री पर बैन लगा रहा है।

● फ्रांस में अब दूसरे देशों के इमामों को लाभ देने की विरोधी विदेशी इमामों की एंट्री पर बैन लगा रहा है।

● फ्रांस में अब दूसरे देशों के इमामों को लाभ देने की विरोधी विदेशी इमामों की एंट्री पर बैन लगा रहा है।

● फ्रांस में अब दूसरे देशों के इमामों को लाभ देने की विरोधी विदेशी इमामों की एंट्री पर बैन लगा रहा है।

● फ्रांस में अब दूसरे देशों के इमामों को लाभ देने की विरोधी विदेशी इमामों की एंट्री पर बैन